

ॐ नमः श्रीवज्रसत्ताय ॥ ॥ श्रीगुरुआज्ञा ॥ ॥ श्रीगुरुलान
मः ॥ गुरुवृद्धगुरुधर्मगुरुसंघं नथे वचगुरुवज्रध्वजं च वगु
रुसर्वं नमामि हं ॥ ॥ ॐ आहं ॥ वं वज्रादकं हं स्वाहा ॥ लं खं अ
धिष्ठान ॥ ॐ अतिविचरं रुमायथा हि जानमा रुं धास्त्रापि ना
सर्वं तथागतं रुं थाहं सनापयिष्यामि गुहं रुदिद्य नवाविशं

ॐ आ३ हं सर्वं तथा गत अतिथि कर्म मप्रिय हं ॥ मिल मलं रव
नराय ॥ ॥ ॐ श्री स्वाहा ॥ पास्व पा न मला काय ॥ ॐ काय वि३ म
९ धन स्वाहा ॥ लाहा न मिय ॥ ॥ ॐ सर्व विघ्नान् ह्य दय हं ॥ ॐ न
मातृ गवतं पूषा कर्तु ना जायत तथा गता या हं न सम्यक् वृष्टा
य ॥ न यथा ॥ ॐ पूषा २ महा पूषा सु पूषा पूषा रु व पूषा सु म्हा

व पूषा व कीर्त्तु स्वाहा ॥ पूजा तुल्य जप अनियाय ॥ ॥ ॐ आ३
हं ॥ निष्ठु वजा म न हं ॥ स्वां कथु कपाल थी का आसन याय ॥ ॥
ॐ आहं सर्व पाणान प न य हं ॥ स्वां ऊ अ ख अ नि न ॥ ॥ ॐ म सिध
वि व जी शी महा प्र ति स व न ऊ र मां सर्व सत्वा च ३ हं २ रु द स्वा
हा ॥ न का स्वा न द्यु य ॥ ॥ ॐ व ऊ तिल क र व द स्वाहा ॥ ॥ च न म

२
धुलसति न का अथ मं नीतिया ॥ ॥ ॐ वज्रलघुसुलघुहं ॥ स्त्रीजा
किलंखमथुना अमधुलहायकं गय ॥ ॐ दानं गमयं मम न च
सहि तं शीलं च ममाजं नं जाति रुडं पिपिलिका न पनयं वीर्यं
कीयास्का स न ध्यानं न रुधं मकचिरु कव शं प्रज्ञा स वरा रु
ला प्रतापा वमिता स रु व व रु न रुत्ता मनिर्मधुलं ॥ रु व रु क न

कवधं सर्वशार्गे विमूक रु स न म नू ज वि शिष्टश्च रु व दि पि
कान्ति धन क न क स मृद्धि जा य न रु ज व रु स ग रु व रु ग रु ह स्मि
न काय क मा ध रुत्ता ॥ ॐ स न रु व सर्व रु था ग रु ह धि स्ताना धिष्ट
नु स्वाहा ॥ गाल रु ॥ ॐ च रु डा क वि म लु स्वाहा ॥ मधुल स स्वा न वा
य ॥ ॐ वज्र स त्व सर्व वि प्रानू त्ता व रु ॥ ॥ ॐ ह मा म थ म व व न म

३
॥ ओं ह्रीं ४ मध्यम ववनमः ॥ ओं संस्र ३ मध्यम ववनमः ॥ मध्यम ॥
ओं यं पूर्वविदे हायनमः ॥ पूर्व ॥ ओं नं रं मुखी पायनमः ॥ इति
॥ ओं लभ अपरुग गतीयनमः ॥ पश्चिमे ॥ ओं वं उरु र क व व
नमः ॥ उरु ॥ ओं या उप दी पायनमः ॥ अग्नौ ॥ ओं वा उप दी पा
यनमः ॥ नै ॥ ला उप दी पायनमः ॥ वा ॥ ओं वा उप दी पायनमः ॥

॥ ओं यगज वलायनमः ॥ पू ॥ ओं न भ्र स्व जलायनमः ॥ इ
॥ ओं ल पूर्व जलायनमः ॥ य ॥ ओं व लु चलायनमः ॥ उ ॥
ओं या ख र्ज जलायनमः ॥ अ ॥ ओं नाम क्षिप जलायनमः ॥
ने ॥ ओं ला च कु जलायनमः ॥ वा ॥ ओं वा सर्व निधान त्प
नमः ॥ ॥ ओं चं चं डायनमः ॥ इत्य ॥ ओं सं सूर्यायनमः

8

4

स्वाहंस्नानमस्वामिशीगुपूनाथप्रसीद्धम॥ जाकिनदडा
याकपूजायाया॥ यस्यप्रसादकिनहस्तुहितात्मगतस्व
त्प्रणयैतिकनपुहुतात्वंकाना॥ यस्यनुनविलहडाः
सविलासमूचेस्तुस्नानमस्तुतिनियंगुपूनात्कनायनमा
बुद्धायगुलवंनमाधर्मायतानहानमासंघायनहातम

३
प्रित्यापिगततेनमः॥ सर्वबुद्धनमस्वामिः धर्मचडिनहा
वितं संघं च शीलसंपन्नतत्प्रयनमस्तु॥ नत्प्रयंमसज
सं सर्वप्रतिदिसाम्यघञ्जुमादजगतूधं बुद्धार्थादध
नम॥ अवाधार्सनहंयामिबुद्धधर्मगस्तुलमं॥ वाधोचि
लंकनाम्यवस्वपनार्थप्रसिद्धय॥ उत्पादयाम्यवचवा

२
विचिह्नं निमग्न्यामाषच सर्वसत्त्वानां ॥ इहं च विष्णुं व
पथाधिचार्या ब्रह्माह वयं जगता हिताय ॥ इह सना सर्वपापा
नां प्रस्थानां चानुमादनां ॥ कृता एवा संचिन्त्यामि आर्या
संगमुयाषधं ॥ मया बालनमूदनयत्किञ्चित्पमागम
॥ एकस्यावशसावश एव क्वावशमवच ॥ तदस्य यंदश

५
आम्यषनाथानामगुणः स्तिताः ॥ कृता ऊर्लिदुःखमहीम
ः प्रक्षिपत्य पूनपूनः ॥ अत्ययं मत्ययं त्वन प्रतिगृह्णनुना
यकः ॥ नरुडकं मिदं नाथनकर्तव्यं पूनर्मया ॥ तथा ससा
ननसमानकाले लोकस्यादुःखं च सुरवाद्यं च ॥ हर्तुं च
कर्तुं च सदृशं ॥ कितमः प्रकाशश्च यथेव हानाः ॥ पृष्ठ

२६॥ ननु स्मृतिमागता वा इष्टः कथायागमूपा महावा
॥ सर्वप्रकोले जगता हिताय कुर्यामजगत्सर्ववहिताय
॥ श्रीः आचमनं प्रोक्तमनं प्रोक्तं स्वाहा ॥ ततो येकां च
हावायुमं सुले तदुपनिषं कान्तं क्षिप्रं निमं सुले तदुपनिषं
मुमुक्षुं तदुपनिषं कान्तं क्षिप्रं निमं सुले तदुपनिषं

पनिपूनि तं ॥ श्रीः कुर्यात्स्वाहा ॥ ततो येकां च
चासृगपंचपुष्टिपं पश्यत् ॥ ऊः इव हा ॥ बलिस्वानवाया ॥
ॐ डास स्वाहा ॥ ऊमाय स्वाहा ॥ वज्रनाय स्वाहा ॥ कवला
य स्वाहा ॥ अरुन स्वाहा ॥ नेशस्व स्वाहा ॥ वायुव्यय स्वा
हा ॥ ॐ हानाय स्वाहा ॥ उड्वस्व स्वाहा ॥ सुर्षाया स्वा

धिपति स्थाहा॥ चन्द्राग्रहाध अग्राधिपतय स्थाहा॥ अर्द्धपू
 थित्य स्थाहा॥ नागार्यः स्थाहा॥ अस्त्ररूप स्थाहा॥ ऊरु रूप
 स्थाहा॥ सर्वदिग्गिदिगला कपालाख्य स्थाहा॥ ॐ द्वादिविहि
 सहस्रवसंधे निमंचगुं सुवलिविहिष्ट ४ अग्निर्घमा
 नेमत्य काक्षयश्च आयां पतिवायूधनाधिपो च॥ ॐ स्नान

बलि स
 त्वा नज्ञा
 किलं व
 धूलि हा
 यक ॥

एताधिपतिचदवाडुर्द्धचन्द्रार्क वितामह ४४॥ इवासंस्त
 रविपश्चनागाधना २ गुक्षगक्षे ४ समस्त ४॥ सपूत्रधाना
 सहस्ररूपः संघाः पुष्पं वलिधूपविलपन ४॥ गुरुगुरुगुरु
 पिवन्तु चदे ४४ देवकर्म सहस्रलंगूगनुसारा ॥ ३॥ नमान
 लपुयाय ॥ नमः ॥ ४४ ॥ इवगुपानयः महावज्रश्रीश्चाप

हाकै न
 नाय ४

इशकहेनवायश्चिमुसयनयाशगृहीरुहस्य
॥ॐ अमृतकृत्युलित्वगवसाहि २ गिर २ वध २ हन २ द
ह २ हिस्सातय २ महागनपतिकी विताभकाजायह
रुहृदस्वाहा ॥ पंचपहायवलिपूजनं ॥ वज्रगंधस्या
हा ॥ ति ॥ वज्रपूष्यस्वाहा ॥ वज्रधूयस्वाहा ॥ वज्रदि

व्यस्वाहा ॥ वज्रनेवशस्वाहा ॥ वज्रनाजायस्वाहा ॥
ॐ तिगुरुमधुलविसर्जनं मधुधया ॥ थनीलिपागपूजा ॥ ताव
नास्वानतया ॥ स्वतावशुद्यामर्बधर्माद्य ॥ स्वतावशुद्धाहं शुभ
ताज्ञानवज्रस्वतावात्मकीही ॥ धृतय ॥ तवैशी अमृतकसग
वज्रविद्याजाजनमस्तुतकतुमिस्मितानार्थमधुलंकन

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्तव्यो ब्रह्मण्यन्तर्हस्यम् ॥
सर्वभूतानां मातृर्यस्य शिरसां नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

जधूपनिर्या कयानिवजधूपं प्रति रु स्वाहा ॥ ॥ ताय भजतवा
स्य लाहा तजा जलपंचोद ॥ वाक ॥ अथ भ सुरु लं जन्म सुरु लं
जिदिनं चम समय सर्वदा वाना तवी ताहं न संशय भविव कर्ता
तविष्णामिवाधो चेरु क चं ग सा गथागत कला त्यक्ति ममा पुत्रा
न संशय भूया म दिव सा जि श्रु ज्ञा म जि श्रु ना क्म स त्रिपा

समूहवर्गं आ३ हं वं आं जिं व हं सर्वगथागत अतिथकसम
 शयहं॥ धामधुलधिय॥ ओं वजादक हं वज्रसमधसुनधस
 वतथागतसुवधुजलधानस्वाहा॥ सिद्धिंति॥ ॐ हंतप
 चमंगधसहसिंधूचसानाः वहुसिंधुचयः वज्रति
 लसहसवनस्वाहा॥ ॐ ऊं का ग य॥ वज्रवस्त्रालकाज

पूजाभयज अष्टाभिर्विजडाध्यांगधुधकवसुवास
शस्वाहा॥ स्नानछाय॥ २३॥ समर्थस्वस्तिवहकूचू
नांबुद्धस्वस्तिदेवाभहसकास्वस्ति सर्वानिहतानि
सर्वकालदिसंजुव॥ बुद्धपूत्थानूलावनदवताना
मकनच॥ याथाऽर्थसमहिपुतसर्वथादिसमयता

स्वस्तिवादिपदहानुस्वस्तिवाधोचतुर्यद॥ स्वस्ति
वाचकतामार्ग॥ स्वस्तिपुत्यागकस्वच॥ स्वस्तिनागो
स्वस्तिदिवा॥ स्वस्तिमक्षादिनस्ति॥ सर्वतुस्वस्ति
हानुआपयेयायायमागमन॥ सर्वसत्त्वासर्वया
६॥ सर्वदत्ताचकवत्ता॥ सर्ववैखानसनुसर्वसनु

निजात्मया॥ सवेहडातिपस्थनुमाद्यचेरवापायमा
गमत॥ यानिहृदयानि समागनि स्फुटानि रुमावदमा
तविहे॥ कुर्वन्नुमेषु सततं प्रजासु दिवा च जाहा च न
ननु धर्म॥ वज्रपूष्यनिष्पातया हावेन वज्रपूष्यस्या
हा॥ वज्रनेवशंसमया नानंखाश्च वाक् स मं नि तं वत्सुगं

धनसायकदशमपुगिष्टावज्रनेवयप्रतिष्ठस्याहा॥
नेवयचुप॥ धालाहाय॥ ॐ नमो हागवत विजं विज
इव नायमहाकल्याणि सन्निहाय हंरुद॥ जगाम कू
लात्कताय हंरुद॥ इष्टा कलागुविषनमूषाय हं
रुद॥ सहस्ररुद्रो स्वय हंरुद॥ व्याधुजिना वनध

य०

जायमहाधुमाश्वकाजावपूजुषायहंरुद्रस्वाहा॥
मत्तविय॥ नेगाहियामावहुजलकाषानजाधिया
चिपाइयप्राःस्वनंपुकासहंतमालहालाहलदिय
मालानचयनितगुंवऊदियनियॉतमानूहावनव
ऊदियंपुतिच्छस्वाहा॥ तायंपूजाया॥ यधमाहुतुप

लवाहुतुवजतखातथागतहवजतखेकृयानिना
धयवंवादिमाहाशुवनं॥ अकालमूरवसर्वधर्माना
मायीनृत्यनत्वासर्वविघ्नसीतिनक्रांपूष्टिकृजुस्वा
हा॥ जाकिंपूजाया॥ मंजुश्रीकूमालरुतायवीधिस
त्वायमहासत्वायमाहाकान्निकातहलदवदरुद

५ पादपूजायायइतिधुने३११

दानं सर्वदा वयामिह ॥ पंचसालिग्व ५ अंतिग्व १ पूजाया
य ॥ धूसील ॥ सिद्धायवाक् ॥ ॐ उशा ता न चक्र ता निधूत
विशुत्तु ता ता स्वना दग्धानि वि ता पि यो घ म हि ता नि यो
ष ध ना पु न ता वृद्ध शान व सा वि ना वि क लू खा स्वा न न्द सि न्द
ह ना ला वी ला व वि चान ध वि न ता वा ना हि का पा त व नि म्मा

नादिस्सर्मधुल ग ता का शा दि व र्धु नृ ता प्र काला काला हल नम
त नृ त स वा दि व्या व सृ क्ता प मा वि शा वृद्ध क र्त्त व न ह चक्र ता या
ता दि नि स्ता न दाल लि गो र्ध ग र्ध न वा वा सा हि का च त स ॥ ॥
द व पू जा या य ॥ म ह नि रु य ॥ अ दि का य ॥ म ध धि ल स मा धि
या य ॥ स र्ध धू म न् थ वि पू जा या य ॥ धू स्पी लि द व पू जा या य ॥

चाक्रपूजायाय॥ मध्यलथिलः कितनः वाक्॥ ॐ नत्वाधीवजवा
नाहिमं नु मूर्तिजिनम्वनिः अर्यगावनदरिमाअधिसिद्धिवन
पदाः एवकालसमासिलसहजानन्दनूपिनीः पुराज्ञानदहागुन
महेशीवजयागिनी॥ सनाऊन॥ सर्वगतय॥ सिद्धीगियः पंचतालि
हियक॥ विसर्जन॥ मूर्ती॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥

1111	—	16	—	28
128	—	16	—	68
168	—	16	—	08
11138	—	16	—	58
11148	—	16	—	28
1188	—	16	—	68
188	—	16	—	38
1168	—	16	—	78
1108	—	16	—	98
11128	—	16	—	48

ooe — ob — oe
o2b — s — oe
o3b — 2 — oe
o4b — c — oe
oeb — 3 — oe
oob — h — oe
oe — s — oe
o3 — e — oe
o4 — c — oe
oe — b — oe

o4b — ob — sb
bcb — s — sb
chb — 2 — sb
eeb — c — sb
abb — 3 — sb
hs — h — sb
3c — s — sb
bh — e — sb
ze — c — sb
sb — b — sb

o2b — ob — 2b
e3b — s — 2b
o4b — 2 — 2b
zeb — c — 2b
zob — 3 — 2b
os — h — 2b
zc — s — 2b
oh — e — 2b
ze — c — 2b
zb — b — 2b

o6b — ob — ob
ehb — s — ob
zeb — 2 — ob
abb — c — ob
cob — 3 — ob
h2 — h — ob
z3 — s — ob
bh — e — ob
ze — c — ob
cb — b — ob

o3b — ob — 3b
o4b — s — 3b
zeb — 2 — 3b
ebb — c — 3b
3s — 3 — 3b
o2 — h — 3b
o3 — s — 3b
ze — e — 3b
ze — c — 3b
3b — b — 3b

ohb — ob — hb
heb — s — hb
oeb — 2 — hb
hob — c — hb
os — 3 — hb
hc — h — hb
o3 — s — hb
ha — e — hb
oe — c — hb
hb — b — hb

o4b — ob — 4b
zeb — s — 4b
ebb — 2 — 4b
z3 — c — 4b
o2 — 3 — 4b
oc — h — 4b
3h — s — 4b
ze — e — 4b
ze — c — 4b
4b — b — 4b

oeb — ob — eb
ebb — s — eb
oob — 2 — eb
bs — c — eb
zc — 3 — eb
h3 — h — eb
ch — s — eb
ze — e — eb
ze — c — eb
eb — b — eb

000 — 00 — 20
 200 — 5 — 20
 35 — 2 — 20
 22 — 6 — 20
 20 — 4 — 20
 02 — 4 — 20
 22 — 8 — 20
 42 — 3 — 20
 22 — 2 — 20
 22 — 9 — 20

ss	ss	bb
22	2	bb
cc	c	bb
33	3	bb
nn	n	bb
rr	r	bb
ee	e	bb
zz	z	bb
bb	b	bb

006 — 06 — 06
 05 — 5 — 06
 02 — 2 — 06
 06 — 6 — 06
 03 — 3 — 06
 04 — 4 — 06
 02 — 2 — 06
 06 — 6 — 06
 05 — 5 — 06
 02 — 2 — 06
 06 — 6 — 06

	oo	n
be	s	n
be	z	n
e3	c	n
gh	3	n
hg	t	n
ze	m	n
6e	e	n
2b	r	n
s	i	n

0	2	-	0	1	-	2
6	5	-	4	-	2	2
2	3	-	2	-	2	2
3	h	-	6	-	2	2
2	2	-	3	-	2	2
6	2	-	h	-	2	2
6	6	-	2	-	2	2
2	6	-	2	-	2	2
3	6	-	6	-	2	2
2	-	-	6	-	2	2

This image shows a page from a manuscript, likely a musical score. The notation is written on a four-line staff. The notes are represented by black square neumes, some of which are connected by horizontal lines, indicating a melodic line. The manuscript is aged, with a yellowed background and some visible wear and tear.

This image shows a page from a manuscript, likely a table of numbers or a multiplication table. The text is written in Arabic script, arranged in columns and rows. The numbers are written in a stylized, cursive font. The page is yellowed and shows signs of age, with some staining and wear visible. The numbers are arranged in a grid-like pattern, with some numbers appearing to be products of smaller numbers, suggesting a multiplication table. The numbers are written in black ink on a yellowed, aged paper. The page is oriented vertically, with the text running from top to bottom. The numbers are arranged in columns, with some numbers appearing to be products of smaller numbers, suggesting a multiplication table. The numbers are written in a stylized, cursive font. The page is yellowed and shows signs of age, with some staining and wear visible. The numbers are arranged in a grid-like pattern, with some numbers appearing to be products of smaller numbers, suggesting a multiplication table. The numbers are written in black ink on a yellowed, aged paper. The page is oriented vertically, with the text running from top to bottom. The numbers are arranged in columns, with some numbers appearing to be products of smaller numbers, suggesting a multiplication table.

सुमि श्रीमवदीनाम
पराशरामासाय
भूति नामदीना
उक्तिगदीनाम

02-06-2
36-2-2

00-h
 1-5-h
 02-3-h
 hē-6-h
 0ē-3-h
 hē-h-h
 0ē-4-h
 hē-h-h
 0ē-h-h
 h-h-h

The image shows a single page from an old manuscript. It features a four-line musical staff with black square neumes. The notation is arranged in a single column, with each neume connected to the next by a horizontal line. The script is a medieval Gothic-style font, and the paper is aged and yellowed.

6c - 3 - 6
 2c - 2 - 6
 6c - 6 - 6
 2c - 3 - 6
 11c - 11 - 6
 2c - 2 - 6
 3 - 2 - 6
 6 - 6 - 6

3b-2-c
 2b-c-c
 2b-3-c
 ob-h-c
 2-3-c
 3-4-c
 2-3-c
 2-3-c

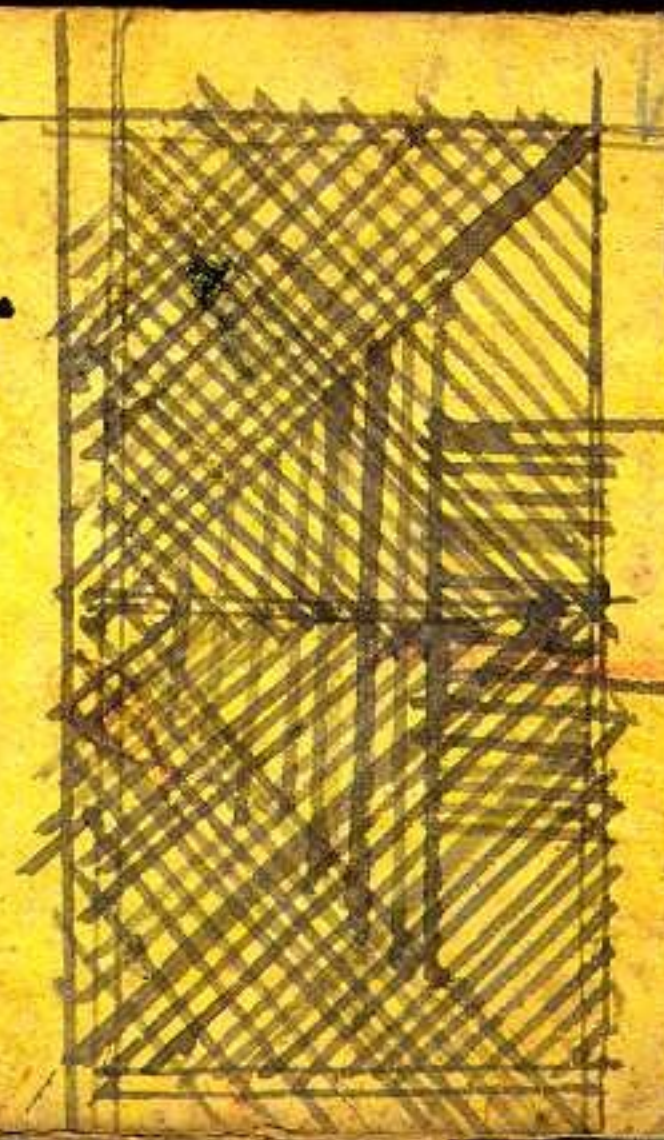
13
14
15
16
17
18
19
20



15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850



न



Handwritten text in Devanagari script, likely a title or description of the symbols.



Handwritten text in Devanagari script, likely a title or description of the symbols.

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or chapter heading, located at the top of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or chapter heading, located at the top of the left page.



न

